

Inhalt

Band 1

| | |
|--|-----|
| Vorwort | 7 |
| I Prolog (V. 1-244) | 10 |
| II Riwalin und Blanscheflur (V. 245-1790) | 26 |
| III Rual li Foitenant (V. 1791-2148) | 116 |
| IV Die Entführung (V. 2149-2758) | 138 |
| V Die Jagd (V. 2759-3378) | 174 |
| VI Der junge Künstler (V. 3379-3756) | 212 |
| VII Wiedersehen (V. 3757-4546) | 234 |
| VIII Tristans Schwertleite (V. 4547-5068) | 280 |
| IX Heimfahrt und Rache (V. 5069-5866) | 312 |
| X Morold (V. 5867-7230) | 360 |
| XI Tantris (V. 7231-8225) | 438 |
| XII Die Brautfahrt (V. 8226-8896) | 494 |
| XIII Der Kampf mit dem Drachen (V. 8897-9982) .. | 534 |

Band 2

| | |
|---|-----|
| XIV Der Splitter (V. 9983-10802) | 10 |
| XV Das Wahrzeichen (V. 10803-11366) | 58 |
| XVI Der Minnetrank (V. 11367-11874) | 92 |
| XVII Das Geständnis (V. 11875-12434) | 122 |
| XVIII Brangäne (V. 12435-13096) | 156 |
| XIX Rotte und Harfe (V. 13097-13450) | 194 |
| XX Marjodo (V. 13451-13672) | 214 |
| XXI List und Gegenlist (V. 13673-14234) | 228 |
| XXII Melot (V. 14235-14582) | 260 |

6 *Inhalt*

| | |
|--|-----|
| XXIII Baumgartenszene (V. 14583–15046) | 282 |
| XXIV Das Gottesurteil (V. 15047–15764) | 310 |
| XXV Petitcrü (V. 15765–16402) | 352 |
| XXVI Die Verbannung (V. 16403–16678) | 390 |
| XXVII Die Minnegrotte (V. 16679–17274) | 408 |
| XXVIII Entdeckung und Versöhnung (V. 17275 bis 17658) | 442 |
| XXIX Rückkehr und Trennung (V. 17659–18404) | 464 |
| XXX Isolde Weißhand (V. 18405–19548) | 508 |
| <i>Fortsetzungen zu Gottfrieds »Tristan«-Fragment</i> | |
| Ulrich von Türheim | 575 |
| Heinrich von Freiberg | 581 |

Band 3

| | |
|---|-----|
| Stellenkommentar | 9 |
| Abkürzungen | 188 |
| Texte | 190 |
| Benutzte Textausgaben, Kommentare und Übersetzungen von Gottfrieds »Tristan« | 191 |
| Forschungsliteratur | 193 |
| Nachwort | 204 |
| Abbildungsnachweis | 275 |
| Stichwortregister zum Stellenkommentar | 277 |
| Namenregister | 283 |